



सम्पादकीय

## त्रिकोणीय मुकाबले की ओर गुजरात

याद काग्रेस हिमाचल जीत जाती है, तो निश्चित रूप से उसका मनोबल बढ़ेगा, राहुल की यात्रा और उनकी लीडरशिप को महत्व मिलेगा। लेकिन अगर कांग्रेस दोनों राज्यों में हार जाती है, तो यही संदेश जाएगा कि राहुल जो कर रहे हैं, वह अपनी जगह ठीक है।

इन दिनों गणवाचार पर्व हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चर्चाते-

इन दिना गुजरात एवं हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनावों की राजनीतिक संभावनाओं पर चर्चा जारी है। हिमाचल के मतदान तो संपन्न भी हो गए हैं और वहां मतगणना का इंतजार किया जा रहा है, जो आठ दिसंबर को गुजरात की मतगणना के साथ ही होगा। लेकिन गुजरात में अभी मतदान होना है और वहां विभिन्न राजनीतिक दल धुआंधार प्रचार में लगे हुए हैं। जहां तक हिमाचल प्रदेश की बात है, वहां कांटे की टक्कर है।

जितने लोग वहाँ सत्ता परिवर्तन की बात कह रहे थे, उतने ही लोग भाजपा की दोबारा वापसी की बात कर रहे थे। भाजपा समर्थक स्थानीय मुद्दों पर बात न करके मोदी के नेतृत्व के नाम पर घोट देने की बात कह रहे थे। वे राज्य सरकार के कामकाज पर बात नहीं करते थे। बदलाव के इच्छुक लोग सेब उत्पादक किसानों की समस्याएं, लागत एवं जीएसटी बढ़ने, बेरोजगारी, महंगाई और पुरानी पेशान बहाल करने का मुद्दा उठा रहे थे।

सरकारी कर्मचारी, महिलाएं और युवा हिमाचल प्रदेश के चुनाव में निर्णायक होंगे। महिलाओं को लुभाने के लिए भाजपा एवं कांग्रेस, दोनों ने बढ़-चढ़कर वादे किए। लेकिन कांग्रेस के पास मजबूत संगठन नहीं है। हालांकि हिमाचल में तो फिर भी संगठन है, लेकिन उत्तर प्रदेश और बिहार में संगठन नहीं है। इस कारण कांग्रेस अपने मतदाताओं को घर से बाहर निकालकर बूथ तक लाने और मतदान कराने के मामले में मात खा जाती है, जबकि भाजपा का संगठन बहुत मजबूत है।

यो तो हिमाचल एक छोटा—सा राज्य है, जहा मात्र 68 सौटे हैं, लेकिन इस बार उसका महत्व बढ़ गया है, क्योंकि वहां जिसकी भी जीत होगी, उसके लिए मनोबल बढ़ाने का काम करेगा। अगर वहां कांग्रेस जीत जाती है, तो न केवल उसे एक और राज्य मिलेगा, बल्कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को भी इसका श्रेय मिलेगा। लेकिन अगर सत्ता विरोधी रुझान के बावजूद भाजपा दोबारा सत्ता में वापस आती है, तो यह उसके लिए भी मनोबल बढ़ाने का काम करेगा।

जहां तक गुजरात की बात है, तो वहां चुनाव जीतना भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न है, क्योंकि यह प्रधानमंत्री और गृहमंत्री, दोनों का गृह राज्य है। इस बार दोनों राज्यों में भाजपा की रणनीति चुनाव को तिकोना बनाने की रही। हालांकि हिमाचल प्रदेश में लगता नहीं कि ऐसा हो पाया, पर गुजरात में उसकी रणनीति यही है कि चुनाव को त्रिकोणीय बनाया जाए। और गुजरात का चुनाव त्रिकोणीय होता दिख भी रहा है।

हाल ही में अमित शाह ने एक टीवी कार्यक्रम में कहा कि गुजरात में मुख्य लड़ाई भाजपा और कांग्रेस के बीच है। वह चाहते हैं कि कांग्रेस थोड़ा दमखम दिखाए, इसकी मुख्य वजह है कि वह इस लड़ाई को तिकोना बनाना चाहते हैं, क्योंकि उन्हें मुख्य चुनौती आप से दिख रही है। जबकि कांग्रेस स्वयं कह रही है कि उसने गुजरात में बहुत दम नहीं लगाया, इसलिए स्थानीय कांग्रेसी नेता केंद्रीय नेतृत्व से बहुत नाराज हैं।

कुछ लोगों का यह भी मानना है कि गुजरात में आप को आरएसएस का समर्थन मिल रहा है, क्योंकि आरएसएस मोदी और अमित शाह की रणनीति से उदासीन है। इसमें कितना सच है, मुझे नहीं मालूम। लेकिन केजरीवाल जिस तरह से गुजरात चुनाव में अपनी प्रासंगिकता बनाते जा रहे हैं, उससे इसमें कुछ दम नजर आता है। चाहे हनुमान चालीसा हो, या चाहे नोटों पर लक्ष्मी-गणेश की फोटो छापने की उनकी मांग हो, चाहे बुजुर्ग लोगों को मुप्त में तीर्थयात्रा कराने की बात हो, वह अपनी पार्टी को हिंदू समर्थक और काम करने वाली पार्टी के रूप में दिखाना चाहे रहे हैं।

के जरीवाल कांग्रेस के वोटबैंक में सेंध तो लगाना ही चाह रहे हैं, उनकी रणनीति भाजपा से नाराज हिंदुओं के वोटबैंक में भी सेंध लगाने की दिख रही है। इन सबके बावजूद यह निश्चित रूप से लग रहा है कि गुजरात में दोबारा भाजपा ही सत्ता में आएगी, क्योंकि भाजपा ने वहां सारी ताकत झोंक दी है। हालांकि आम आदमी पार्टी बहुत बढ़िया टक्कर देती दिख रही है, लेकिन कितनी सीटें जीत पाएगी, इसका पता नहीं है। हालांकि आप का वोट शेयर जरूर बढ़ेगा।

बेशक 27 साल से सत्ता में रहने के कारण वहाँ सत्ता विरोधी रुझान स्वाभाविक है। लेकिन अंतिम क्षण में हमेशा नरेंद्र मोदी के मैदान में उत्तरने से स्थिति नाटकीय रूप से बदल जाती है, क्योंकि तमाम विरोध के बावजूद लोग नेतृत्व के सवाल पर भाजपा के पाले में चले जाते हैं। पिछली बार भी यही हुआ था। पिछली बार गुजरात में तीन युवा नेता—हार्दिक पटेल, अल्पेश ठाकोर और जिग्नेश मेवाणी भाजपा के खिलाफ मैदान में थे, जिन्होंने कांग्रेस के पक्ष में चुनाव का रुख मोड़ दिया था।

लेकिन इस बार हार्दिक पटेल और अल्पेश ठाकोर भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। यह कांग्रेस की सबसे बड़ी विफलता है कि युवा नेता आते हैं, साथ में रहते हैं, लेकिन पार्टी उसका सही उपयोग नहीं कर पाती है। अभी जिग्नेश मेवाणी कांग्रेस में हैं, लेकिन दलित नेता होने के नाते उनका इस्तेमाल सिर्फ गुजरात ही नहीं, देश भर में होना चाहिए था। वह युवा नेता है, जो दलितों को फिर से कांग्रेस की तरफ मोड़ सकते हैं।

इस बीच दिल्ली में भी एमसीडी के चुनाव की घोषणा हो चुकी है, जो आम आदमी पार्टी का ध्यान गुजरात से हटाने की रणनीति लगाती है। कल मिलाकर कहा जा सकता है कि अगर भाजपा कोई

लगती है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि अगर भाजपा काइ एक राज्य हार जाती है, तो यह उसके लिए बड़ा झटका होगा और गुजरात में वह पिछले चुनाव के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन नहीं करती है, तो साफ है कि उसके प्रति जनता का समर्थन धीरे-दीरे घट रहा है।

यदि कांग्रेस हिमाचल जीत जाती है, तो निश्चित रूप से उसका मनोबल बढ़ेगा, राहुल की यात्रा और उनकी लीडरशिप को महत्व मिलेगा। लेकिन अगर कांग्रेस दोनों राज्यों में हार जाती है, तो यही संदेश जाएगा कि राहुल जो कर रहे हैं, वह अपनी जगह ठीक है, पर वह पार्टी को जिता नहीं पा रहे हैं। दूसरी तरफ, अगर भाजपा दोनों राज्यों में चुनाव जीत जाती है, तो नरेंद्र मोदी के

अगर आप गुजरात में चुनाव नहीं भी जीतती है, लेकिन यदि उसके बोट शेयर और सीटें बढ़ती हैं, तो उससे जनता में यही संदेश जाएगा कि यह भविष्य की पार्टी है, जो धीरे-धीरे आगे बढ़ती है। अमेरिका का इसका उदाहरण है, जो अपने दो दशकों में बहुत बढ़ाया है।

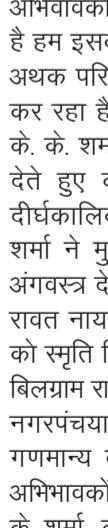
ये लेखक को अपने विचार हैं।

अटेवा ब्लॉक इकाई महाराजगंज के अध्यक्ष संदीप यादव व प्रदीप चुने गए महामंत्री

आज पेंशन की आवाज मात्र अटेवा ही उठा रहा है। आपको पेंशन मात्र अटेवा ही दिला सकता है। अटेवा महाराजगंज ब्लॉक इकाई के संयोजक और नवनिर्वाचित ब्लॉक अध्यक्ष श्री संदीप यादव जी ने कहा कि महाराजगंज ब्लॉक अटेवा की राजधानी है। इस लिए यहाँ के साथियों को बहुत सक्रिय रहने की आवश्यकता है। महाराजगंज ब्लॉक के नवनिर्वाचित महामंत्री श्री प्रदीप कुमार यादव जी ने कहा कि 2004 के बाद के सभी कर्मचारी अटेवा के साथ हैं। और एक दिन अवश्य सफलता मिलेगी। महाराजगंज ब्लॉक के नवनिर्वाचित प्रवक्ता व मीडिया प्रभारी कुंवर सर्वेश प्रताप ने कहा कि अपने हक और सम्मान के लिए युवा कर्मचारियों को आगे आने की आवश्यकता है। महाराजगंज ब्लॉक के नवनिर्वाचित कोषाध्यक्ष श्री विधेक कुमार यादव जी ने कहा जल्द ही महाराजगंज ब्लॉक सक्रिय होगी और हमारी ब्लॉक अटेवा के हर संघर्ष में साथ है मीडिया प्रभारी हेमंत कुमार गुप्ता ने कहा कि अटेवा जब से बना है एकमात्र मुद्दा लेकर चल रहा है। जिसके लिए सभी को सभी प्रकार की दृश्यां मिटा कर अटेवा के साथ खड़े हो। बदलापुर ब्लॉक से विशिष्ट अतिथि के रूप में आए तेज तर्तक युवा साथी गौरव कुमार यादव ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में संगठन वाइड शिविर विवाहस्तव : क्षेत्र के सर्वोदय इंटर कॉन्फरेंस के अन्तर्गत निवार को प्रधानाचार्य अनिल कुमार उद्घाटन करते हुए राजेश कुमार यादव द्वारा स्काउट ध्वज बनाना, विषम परिस्थितियों में टेंट बनाना और बनाना आदि सिखाया गया। इसके अन्तर्गत श्री दिनेश कुमार गुप्ता, श्रीमती गौरव कुमार यादव ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में भी आशू ने वार्षिकोत्सव के सभी कार्यक्रमों को आश्वास्त करते हुए लखनऊ पब्लिक स्कूल हमारे क्षेत्र प्रणाली द्वारा शिक्षित करके क्षेत्र के अधिकारी द्वारा स्कूल अनिल कुमार उद्घाटन करते हुए कार्यक्रम के समाप्ति के बाद श्री शर्मा ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अंगवस्त्र देकर स्वागत किया, कार्यक्रम के अंतर्गत लखनऊ पब्लिक स्कूल के छात्रों द्वारा दिनेश कुमार गुप्ता ने एसे सफल कार्यक्रमों के बाद उन्होंने कार्यक्रम के समाप्ति के बाद श्री शर्मा को आशीर्वाद दिया।

## प्रक्रम समाज का दर्पण

आशू ने वार्षिकोत्सव के सभी कार्यक्रमों को आश्वास्त करते हुए लखनऊ पब्लिक स्कूल हमारे क्षेत्र प्रणाली द्वारा शिक्षित करके क्षेत्र के अधिकारी द्वारा स्कूल अनिल कुमार उद्घाटन करते हुए कार्यक्रम के समाप्ति के बाद श्री शर्मा ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अंगवस्त्र देकर स्वागत किया, कार्यक्रम के अंतर्गत लखनऊ पब्लिक स्कूल के छात्रों द्वारा दिनेश कुमार गुप्ता ने एसे सफल कार्यक्रमों के बाद उन्होंने कार्यक्रम के समाप्ति के बाद श्री शर्मा को आशीर्वाद दिया।



## अधिशासी अधिकारी डॉ. कल्पना बाजपेई को बनाया बंधक : नगर पंचायत अध्यक्ष का बेटा और भाई गिरफ्तार

तहसीलदार मनोज कुमार मौके पर पहुंचे। अधिशासी अधिकारी को थाने ले आए। थाना फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक आलोक सिंह ने बताया कि ईओ की तहसीर पर अभद्रता, सरकारी कार्य में बाधा डालने, मोबाइल छीनने की कोशिश, सात सीएलए में मुकदमा दर्ज किया है। आरोपी तरुण और मनीष को गिरफ्तार कर लिया है। चार घंटे होता रहा हंगामा नगर पंचायत अध्यक्ष आशा देवी चक और अधिशासी अधिकारी कल्पना बाजपेई के बीच शुक्रवार दोपहर में हुए विवाद के बाद थाने में भी करीब चार घंटे तक हंगामा चलता रहा। शाम 5 बजे भाजपा जिलाध्यक्ष पहुंच गए। कार्यकर्ता जुट गए। दोनों पक्षों की ओर से आरोप-प्रत्यारोप लगाए जाते रहे। रात आठ बजे जिलाध्यक्ष और नगर पंचायत अध्यक्ष के जाने के बाद हंगामा शांत हुआ।

## कल कॉलेजों में मिलेगा निजी नर्सिंग ट्रॉनिकल को प्रशिक्षण : गाइडलाइन तैयार

प्रशिक्षण के लिए परीक्षा देनी। एक घंटे की परीक्षा में 100 अंक के 50 प्रश्न पूछे जाएंगे। तीन दिन में परिणाम घोषित होगा। इसमें 33 फीसदी से अधिक अंक पाने वाले विद्यार्थियों की मेरिट बनेगी। फिर उन्हें सरकारी कॉलेज में क्लीनिकल प्रशिक्षण के लिए दाखिला मिलेगा। इसके लिए सुपरवाइजर नियुक्त होगा। बीएससी नर्सिंग के



विद्यार्थियों को तीन वर्ष की पढ़ाई के बाद दो माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसी तरह पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग के विद्यार्थियों को पहले साल की पढ़ाई के बाद दो माह और एमएससी नर्सिंग के विद्यार्थियों को अंतिम वर्ष में दो माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण का बैच तैयार करते समय मेडिकल कॉलेज में बेड और स्टाफ नर्स की उपलब्धता का ध्यान रखा जाएगा। एक स्टाफ नर्स के साथ छह विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा। प्रशिक्षण पूरा होने पर मेडिकल कॉलेज प्रमाण पत्र देंगे। मेडिकल कॉलेजों को भी होगा फायदा निजी नर्सिंग कॉलेज क्लीनिकल प्रशिक्षण के लिए एक शैक्षिक सत्र में राजकीय मेडिकल कॉलेज को पांच हजार रुपये शुल्क देंगे। वहीं, मेडिकल कॉलेजों को नर्सिंग क्षेत्र में दो-दो माह के लिए अलग-अलग बैच में मैन पावर मिलता रहेगा। राजकीय और निजी कॉलेज के बीच एक समन्वय समिति बनेगी। क्लीनिकल प्रशिक्षण पूरा होने के बाद नर्सिंग स्टॉफ, फैकल्टी और विद्यार्थियों से फीडबैक लिया जाएगा। इसके आधार पर व्यवस्थाओं में सुधार किया जाएगा। निजी कॉलेजों से नर्सिंग करने वाले विद्यार्थी नई व्यवस्था से राजकीय मेडिकल कॉलेजों के तौर तरीके सीख सकेंगे। वे किताबी ज्ञान के साथ अस्पताल में स्टाफ नर्स के नेतृत्व में चिकित्सीय प्रक्रिया को समझ सकेंगे। —प्रो. आलोक कुमार श्रीवास्तव, सचिव, उत्तर प्रदेश मेडिकल फैकल्टी नई व्यवस्था से सरकारी और निजी नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों की कार्य कुशलता में समानता आएगी। —डॉ. धनंजय सिंह, प्रदेश अध्यक्ष प्राइवेट नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज एसोसिएशन

## टाइम्स विजन कॉन्क्लेव यूपी का रोडमैप

मार्शल आरकेएस भदौरिया (सेवानिवृत्त), अवनीश कुमार अवस्थी, सीएम यूपी सरकार के सलाहकार और अन्य सम्मानित अतिथि और दर्शक। दिन भर चलने वाले कॉन्क्लेव के दौरान विभिन्न सत्र



आयोजित किए गए और उत्तर प्रदेश सरकार के सम्मानित वक्ताओं, प्रायोजकों, पैनल चर्चाओं, गोलमेज चर्चाओं का आयोजन किया गया और दर्शकों को विचारों और अनुभव से समृद्ध किया गया, सरकार द्वारा 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था को प्राप्त करने के लिए किए जा रहे कार्य आदि। कॉन्क्लेव के दौरान सभी सम्मानित वक्ताओं द्वारा साझा किए गए। इकोनॉमिक टाइम्स के विभिन्न प्रतिनिधियों ने कॉन्क्लेव का सफलतापूर्वक संचालन किया और कॉन्क्लेव का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। इस दिशा में सरकार द्वारा किए



कर यक्ष का ना ना ना कि वह गर गर क, गाथ आन रने देंने तहसीलदार मनोज कुमार मौके पर पहुंचे। अधिशासी अधिकारी को थाने ले आए। थाना फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक आलोक सिंह ने बताया कि ईओ की तहरीर पर अभद्रता, सरकारी कार्य में बाधा डालने, मोबाइल छीनने की कोशिश, सात सीएलए में मुकदमा दर्ज किया है। आरोपी तरुण और मनीष को गिरफ्तार कर लिया है। चार घंटे होता रहा हंगामा नगर पंचायत अध्यक्ष आशा देवी चक और अधिशासी अधिकारी कल्पना बाजपेई के बीच शुक्रवार दोपहर में हुए विवाद के बाद थाने में भी करीब चार घंटे तक हंगामा चलता रहा। शाम 5 बजे भाजपा जिलाध्यक्ष पहुंच गए। कार्यकर्ता जुट गए। दोनों पक्षों की ओर से आरोप-प्रत्यारोप लगाए जाते रहे। रात आठ बजे जिलाध्यक्ष और नगर पंचायत अध्यक्ष के जाने के बाद हंगामा शांत हुआ।

सरकारी मेडिकल कॉलेजों में मिलेगा निजी नर्सिंग कॉलेज के छात्रों को प्रशिक्षण : गाइडलाइन तैयार

लखनऊ व्यूरो : प्रदेश में नेजी कॉलेजों से नर्सिंग में बीएससी, एमएससी व पोस्ट बेसिक बीएससी करने वाले विद्यार्थियों को अब आजकीय मेडिकल कॉलेजों में प्रशिक्षण के लिए परीक्षा देनी। एक घंटे की परीक्षा में 100 अंक के 50 प्रश्न पूछे जाएंगे। तीन दिन में परिणाम घोषित होगा। इसमें 33 फीसदी से अधिक अंक पाने वाले विद्यार्थियों की मेरिट बनेगी। फिर उन्हें सरकारी कॉलेज में क्लीनिकल प्रशिक्षण के लिए दाखिला मिलेगा। इसके लिए सुपरवाइजर नियुक्त होगा। बीएससी नर्सिंग के



विद्यार्थियों को तीन वर्ष की पढ़ाई के बाद दो माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसी तरह पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग के विद्यार्थियों को पहले साल की पढ़ाई के बाद दो माह और एमएससी नर्सिंग के विद्यार्थियों को अंतिम वर्ष में दो माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण का बैच तैयार करते समय मेडिकल कॉलेज में बेड और स्टाफ नर्स की उपलब्धता का ध्यान रखा जाएगा। एक स्टाफ नर्स के साथ छह विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा। प्रशिक्षण पूरा होने पर मेडिकल कॉलेज प्रमाण पत्र देंगे। मेडिकल कॉलेजों को भी होगा फायदा निजी नर्सिंग कॉलेज क्लीनिकल प्रशिक्षण के लिए एक शैक्षिक सत्र में राजकीय मेडिकल कॉलेज को पांच हजार रुपये शुल्क देंगे। वहीं, मेडिकल कॉलेजों को नर्सिंग क्षेत्र में दो-दो माह के लिए अलग-अलग बैच में मैन पावर मिलता रहेगा। राजकीय और निजी कॉलेज के बीच एक समन्वय समिति बनेगी। क्लीनिकल प्रशिक्षण पूरा होने के बाद नर्सिंग स्टॉफ, फैकल्टी और विद्यार्थियों से फीडबैक लिया जाएगा। इसके आधार पर व्यवस्थाओं में सुधार किया जाएगा। निजी कॉलेजों से नर्सिंग करने वाले विद्यार्थी नई व्यवस्था से राजकीय मेडिकल कॉलेजों के तौर तरीके सीख सकेंगे। वे किताबी ज्ञान के साथ अस्पताल में स्टाफ नर्स के नेतृत्व में चिकित्सीय प्रक्रिया को समझ सकेंगे। —प्रो. आलोक कुमार श्रीवास्तव, सचिव, उत्तर प्रदेश मेडिकल फैकल्टी नई व्यवस्था से सरकारी और निजी नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों की कार्य कुशलता में समानता आएगी। —डॉ. धनंजय सिंह, प्रदेश अध्यक्ष प्राइवेट नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज एसोसिएशन

## प्र० द इकोनॉमिक टाइम्स विजन कॉन्कलेव यूपी का रोडमैप

मार्शल आरकेएस भद्रौरिया (सेवानिवृत्त), अवनीश कुमार अवरथी, सीएम यूपी सरकार के सलाहकार और अन्य सम्मानित अतिथि और दर्शक। दिन भर चलने वाले कॉन्क्लेव के दौरान विभिन्न सत्र



आयोजित किए गए और उत्तर प्रदेश सरकार के सम्मानित वक्ताओं, प्रायोजकों, पैनल चर्चाओं, गोलमेज चर्चाओं का आयोजन किया गया और दर्शकों को विचारों और अनुभव से समृद्ध किया गया, सरकार द्वारा 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था को प्राप्त करने के लिए किए जा रहे कार्य आदि। कॉन्क्लेव के दौरान सभी सम्मानित वक्ताओं द्वारा साझा किए गए। इकोनॉमिक टाइम्स के विभिन्न प्रतिनिधियों ने कॉन्क्लेव का सफलतापूर्वक संचालन किया और कॉन्क्लेव का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। इस दिशा में सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों के बारे में दर्शकों को जागरूक करने के लिए इस कॉन्क्लेव के आयोजन के लिए इकोनॉमिक टाइम्स को आर्प्ट और सम्मानित किया गया।



